>

Title: Alleged discrimination against SCs and STs in appointments in AIIMS.

श्री मंगनी लाल मंडल (झंझारपुर): सभापति महोदय, एम्स में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का जो प्रावधान है, वह विवाद का विषय रहा है। पिछले कई वर्षों से डॉक्टरों और कर्मचारियों की नियुक्तियों में आरक्षण न मिले, इसके लिए आरक्षण विरोधियों ने एम्स में हंगामा किया है। वहां के प्रबंधक और डायरेक्टर के बारे में आरोप है कि इन लोगों ने इसको प्रोत्साहित करने का काम किया है। दो जांच कमेटियां बैठीं, एक डॉ. थरोट और दूसरी डॉ. यादव की कमेटी। दोनों कमेटियों ने कहा कि डॉक्टरों की जो नियुक्तियां हुई हैं, उनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षित पदों से वंचित किया गया है और अब इनका जो एम्स में बैकलॉग है, इसे कुछ वर्ष पूर्व पूरा नहीं किया जा रहा है। यहां तक कि दिल्ली हाई कोर्ट में मामले को लटका कर रखा गया है। जो एडहॉक नियुक्तियां की गई हैं, उनमें अब पिछले दरवाजे से प्रोन्नति दी जा रही है और बैकलॉग को यथावत रखा जा रहा है। यह बात दो दो कमेटियां जिन्हें एम्स और सरकार द्वारा गठित की गई थी, उन्होंने अपने अपने प्रतिवेदनों में जो कहा है। उनका अनुपालन नहीं किया गया है। लेकिन दूसरा पक्ष यह है कि जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्र हैं, वे एम्स में आत्महत्यायें कर रहे हैं। वर्ष 2009 में और हाल में अनुसूचित जाति के छात्र ने आत्महत्या की और आत्महत्या इसलिए की क्योंकि जातीय आधार पर उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है, उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उनको मैस में एक साथ खाने नहीं दिया जा रहा है। उनको एक साथ खेलने नहीं दिया जा रहा है और उनको कम अंक दिये जा रहे हैं और...(व्यवधान) इसलिए इन दोनों छात्रों ने आत्महत्या की।...(व्यवधान) इसके साथ कुछ दिन पहले अनुसूचित जाति के छात्र ने भी जाति के आधार पर भेदभाव किये जाने के खिलाफ आत्महत्या की थी। ...(व्यवधान) अनुसूचित जाति जनजाति आयोग ने जो प्रतिवेदन दिया है उसका कार्यान्वयन नहीं किया जा रहा है। कमीशन खाकर ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN : Mr. Chauhan, I will call you next. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

सभापति महोदय : श्री मंगनी लाल मंडल द्वारा उठाये गये विषय के साथ

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

प्रो. रामशंकर,

श्रीमती ज्योति धुर्वे और

डॉ किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): सभापति जी, मैं अपने आप को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं और माननीय सदस्य की बात से सहमत हूं कि अनुसूचित जाति जनजाति के छात्रों के साथ विभिन्न स्थानों में भेदभाव होता है जिसकी वजह से आत्महत्या तक की नौबत आ जाती है, यह बहुत ही निन्दनीय है और इसके ऊपर विचार होना चाहिए। जो कमेटियों का आदरणीय मंडल जी ने जिक्र किया है, यह सही है। एक कमेटी के बाद अनेक कमेटियां बनी हैं और सिर्फ इसके बारे में उन्होंने सुझाव दिये हैं कि वातावरण को सही किया जाए क्योंकि जो ग्रामीण परिवेश से आते हैं, यहां आने के बाद आप अंदाज लगा सकते हैं कि ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट में जो बच्चा आता है, जैसे मीणा समाज से जो बच्चा था, जिसने पिछले महीने आत्महत्या की है, वह ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट में आता है, उनका मैरिट इतना हाई है और उसके बावजूद उनको आत्महत्या करने के लिए बाध्य होना पड़ता है, यह बड़े शर्म की बात है। अनेक जगह ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट में पहले अनेक शिकायतें आई हैं। वर्धमान मेडिकल कॉलेज है, उसकी भी शिकायत आई है, उत्तर प्रदेश में छत्रपति शाहूजी महाराज मेडिकल कॉलेज है, उसमें छात्रों को जबर्दस्ती, 26 अनुसूचित जाति के छात्र हैं, उसमें 24 को फेल कर दिया जाता है। इस तरह से जानबूझकर जो कार्रवाई की जाती है, ...(व्यवधान) मैं विश्वविद्यालय प्रशासन की बात कर रहा हूं। मैं किसी राज्य सरकार की बात नहीं कर रहा हूं। ...(व्यवधान) यह भेदभाव खत्म होना चाहिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री पन्ना लाल पुनिया द्वारा उठाये गये विषय के साथ डॉ.िकरीट प्रेमजीभाई सोलंकी अपने आप को सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): सभापति जी, जो विषय मंडल साहब ने उठाया है, ...(व्यवधान) जो पढ़ने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चे हैं, उनके साथ जो भेदभाव हो रहा है, उनको जाति के नाम पर अच्छी मैरिट मिलने के बाद भी उनको आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है, मेरे पास अभी तो ऐसे बच्चे हैं जिनको प्रैक्टिकल में जानबूझकर फेल कर दिया जाता है कि दूसरे लोगों के मुकाबले वे खड़े न हो पाएं। इतना ही नहीं अभी वहां प्रोफेसर की जो कमी है, पूरे देश के कोने कोने से जो मरीज आते हैं, वे भटकते रहते हैं।...(व्यवधान) उसमें जो भर्ती प्रक्रिया अंतिम दौर में थी, रिक्रूटमेंट होने वाला था लेकिन जानबूझकर उसे रोक दिया गया कि अगर एम्स में आरक्षण के आधार पर उनकी भर्ती हो जाएगी तो आने वाले दिनों में उनका प्रमोशन होगा। यह पूरे देश में एससीएसटीओबीसी के लोगों के खिलाफ एक साजिश हो रही है। इसलिए मैं चाहता हूं कि सदन में बैठे मंत्री जी को इस पर बयान देना चाहिए कि इस पर वह क्या कार्रवाई करने जा रहे हैं?...(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री दारा सिंह चौहान द्वारा उठाये गये विषय के साथ

श्री मोहन जेना,

श्री अशोक अर्गल और श्री वीरेन्द्र कुमार जी सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)